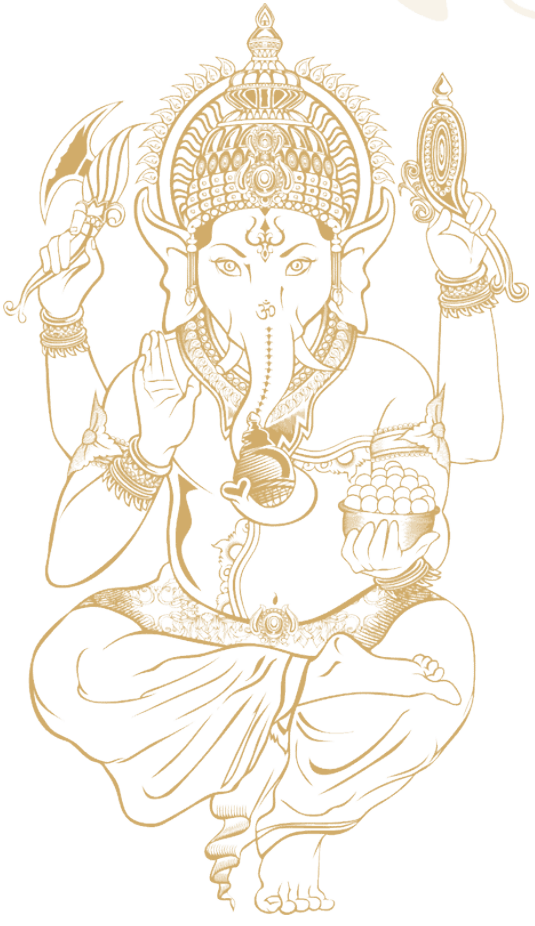

Mr.shivam

Ms.akansha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119973409

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/05/1996	जन्म तिथि	04/03/2000
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:55:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 31:16:08	जन्म समय(घटी)	09:26:40 घटी
India	देश	India
Shamli	स्थान	Delhi
29:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:32	सूर्योदय	06:43:13
19:10:54	सूर्यास्त	18:22:49
23:48:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 10मा 15दि		23:38:17	तुला	लग्न	वृष	04:10:36	मंगल 5वर्ष 4मा 9दि	
शुक्र		08:50:18	वृष	सूर्य	कुंभ	20:04:15	गुरु	
08/04/2021		16:03:06	कर्क	चंद्र	मक	26:27:26	14/07/2023	
08/04/2041		21:37:25	मेष	मंगल	मीन	22:08:59	14/07/2039	
शुक्र	08/08/2024	26:29:58	मेष व	बुध व	कुंभ	14:48:23	गुरु	31/08/2025
सूर्य	08/08/2025	23:17:35	धनु व	गुरु	मेष	09:26:01	शनि	14/03/2028
चन्द्र	09/04/2027	04:16:42	मिथु व	शुक्र	मक	24:41:00	बुध	20/06/2030
मंगल	08/06/2028	11:03:31	मीन	शनि	मेष	18:49:17	केतु	26/05/2031
राहु	09/06/2031	22:09:49	कन्या व	राहु व	कर्क	09:21:33	शुक्र	24/01/2034
गुरु	07/02/2034	22:09:49	मीन व	केतु व	मक	09:21:33	सूर्य	13/11/2034
शनि	08/04/2037	10:41:16	मक व	हर्ष	मक	24:28:09	चन्द्र	14/03/2036
बुध	07/02/2040	03:47:33	मक व	नेप	मक	11:36:48	मंगल	18/02/2037
केतु	08/04/2041	07:54:28	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:00:37	राहु	14/07/2039

लग्न-चलित

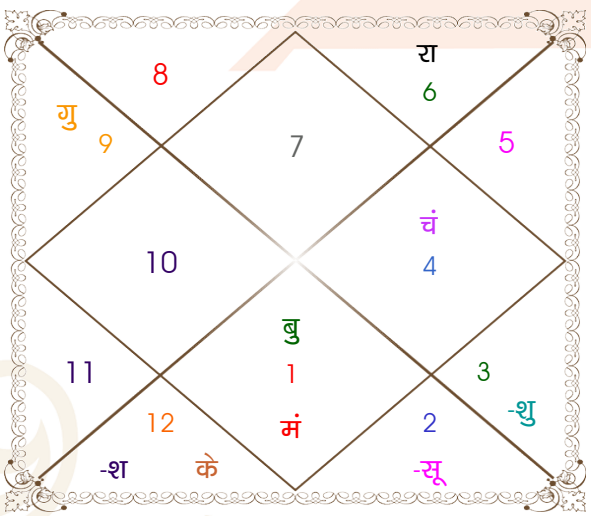

लग्न-चलित

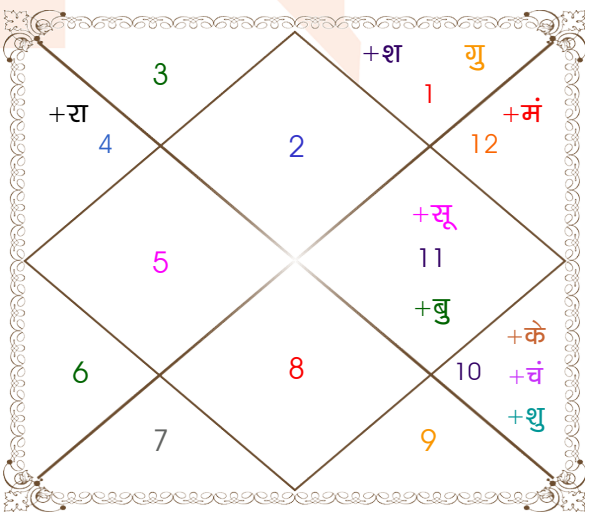

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.shivam का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.shivam का वर्ग श्वान है तथा Ms.akansha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.shivam और Ms.akansha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.shivam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.shivam कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.shivam कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.shivam कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.akansha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.akansha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.shivam तथा Ms.akansha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।